RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 8 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 31 जुलाई 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

आयोग के निर्देश पर घर-घर जाकर मतदाता सूची का कार्य होने लगा है, नाम दर्ज कराएं

कार्यालय प्रतिनिधि

देश में लोकसभा चुनाव के लिये पार्टियों के गणबन्धन हो चुके हैं और प्रशासन भी अपनी तैयारी में सतर्क हो चुका है। राजनीति की डोर थामने वाले सिर्फ सीटों का गणित लगायेंगे लेकिन चुनाव की पूरी व्यवस्था का संचालन करने के लिये चुनाव आयोग को तैयारी करनी ही है। इसी क्रम में घर-घर जाकर मतदाता सूची का कार्य होने लगा है। उत्तराखण्ड में भी सारे राजकाज के अलावा आगामी लोक चुनाव के लिये प्रारम्भिक तैयारी हो रही है। नैनीताल की डीएम और जिला निर्वाचन अधिकारी वन्दना सिंह ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर मतदाता सूची बनाई जा रही है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूचियों तथा एएसडी (अनुपस्थित, शिफ्ट तथा मृत) लिस्ट का सत्यापन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त 18 वर्ष पूर्ण करने वाले अर्ह भारतीय नागरिक अपने साधारण निवास स्थान पर प्रारूप-6 के द्वारा अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवा सकते हैं। इसी प्रकार अन्य जनपदों में भी मतदाताओं के सत्यापन का कार्य जारी है। जिनके नाम छूटे हैं या अशुद्ध हैं अथवा जो 18 साल पूरे कर मतदाता बनने जा रहे हैं उन्हें इस अभियान में सहयोगी बनकर अपना नाम दर्ज करवा लेना चाहिये।

सीएम धामी पर दारोमदार

हरिद्वार सीट पर सबसे ज्यादा घमासान

लोकसभा चुनाव तैयारी

प्रदेश में पाँच सीटें नैनीताल पिथौरागढ़ टिहरी पौड़ी हरिद्वार दिग्गज जुटे

बात जब लोकसभा की हो तो वर्तमान का सच तो यही है कि भाजपा-कांग्रेस बड़े पार्टी झण्डे हैं और इनके पीछे गठबन्धन के तहत अन्य डब्बों की तरह जुड़ेंगे। कुछ रहे-बचे अलग से भी चुनाव में भाग्य आजमाएंगे। जैसा कि बसपा की ओर से मायावती ने स्पष्ट किया है उनकी पार्टी अपने बूते लड़ेगी। भाजपा ने मुकाबले के लिये स्थानीय स्तर के छोटे दलों को अपने साथ करने की रणनीति बनाई है। विपक्ष ने एनडीए से टक्कर के लिये 'इण्डिया' नाम से गणबन्धन किया है। राष्ट्रीय स्तर पर हवा बनाने के लिये गणबन्धनों का असर होना ही है लेकिन स्थानीय मामलों का प्रभाव भी कम नहीं होता है। उत्तराखण्ड में तो सीधे-सीधे भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशी के बीच मुकाबला होना है। प्रदेश की राजनीति में वर्तमान में सीएम पुष्कर सिंह धामी पर सारा दारोमदार है। लगातार चारों ओर दौड़भाग कर रहे धामी अपने और परायों के विरोध में भी फंसे हुए हैं। लोकसभा की गणित में बातें राष्ट्रीय स्तर की होंगी और भाजपा की रटन्त 'मोदी-मोदी' है लेकिन देश में चल रही तमाम घटनाओं को लेकर कांग्रेस का अभियान वृहद आकार ले चुका है। ऐसे में देवभूमि उत्तराखण्ड के उदाहरण भी जगह-जगह दिये जाने हैं। देवभूमि की घटनाओं को धामी सरकार किस प्रकार से निपटती है, वह सब भी चुनाव गणित में जुड़ने जा रहे है। यह चर्चा पहले से चल रही है कि धामी को कुछ नेता नहीं पचा पा रहे हैं लेकिन मोदी-शाह के संरक्षण के कारण बुझे हुए हैं। विपक्ष ने प्रदेश सरकार को सीधे से नाकाम बताते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर डाली है। कुल मिलाकर चुनाव में दारोमदार धामी पर होगा।

उत्तराखण्ड में पाँच लोकसभा सीटें हैं, जिसमें से हरिद्वार सीट पर सबसे ज्यादा घमासान होने के संकेत मिल रहे हैं। हरिद्वार व इससे लगी विधानसभाओं में जिस प्रकार से नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप और जनता का जुलूस देखा गया है, वह बता रहा है कि लोकसभा चुनाव में यहाँ पुलिस-प्रशासन को ज्यादा मशक्कत करनी होगी। पार्टियों के नेता विपक्ष नेता के अलावा अपने आपस में भी भिड़ रहे हैं। इस सीट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक सांसद हैं। कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी इस सीट से निशाना लगाने के पूरे मूड में हैं। हरक सिंह रावत भी चाहत भी है। हरिद्वार सीट पर भाजपा और कांग्रेस को अपने प्रत्याशी उतारने से पहले बहुत बार विचार करना होगा क्योंकि यहाँ पर जनता एकतरफा नहीं होगी और जितनी उठा-पटक नेताओं को लेकर होती रही है वह चौंकाने वाले परिणाम देगी।

नैनीताल सहित अन्य सीटों पर भाजपा का मजबूत संगठन अपना माहौल बनाए हुए है लेकिन आने वाले दिनों में विपक्ष की एकता और जनता का मूड किस ओर होगा, अभी से कहना जल्दबाजी है। नैनीताल सीट पर भाजपा की ओर से अजट भट्ट मुख्य चेहरा माने जा रहे हैं जबकि कांग्रेस की ओर से केसी बाबा, महेन्द्र पाल, हरीश रावत की चर्चा है। टिहरी सीट पर भाजपा किसी नये चेहरे पर दांव चल सकता है। नेताओं की सक्रियता के साथ आने वाले कुछ ही दिनों में तस्वीर बहुत साफ दिखाई देने लगेगी।

नये-पुराने चेहरों की चर्चाएं

पुल टूटने का कारण अवैध खनन तो नही!

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

हमारे देश की दो मुख्य नदियाँ- गंगा और यमुना का उद्गम स्थल उत्तराखण्ड राज्य में है, गंगा और यमुना की सहायक नदियां जो राज्य के लिए प्राकृतिक संसाधनों का भण्डार हैं। उत्तराखण्ड राज्य में राजस्व आय का एक बड़ा हिस्सा इन्ही नदियों में होने वाले खनन से आता है। लेकिन आज राज्य की नदियों में होने वाला अवैध खनन प्रकृति और राजस्व दोनों के लिए खतरा बनता जा रहा है। नदियों में होने वाला अवैज्ञानिक और अवैध खनन प्रकृति के साथ-साथ राज्य के खजाने को भी दो तरफा नुकसान पहुँचा रहा है, पहला अवैध खनन के चलते खनन का सही मूल्य पूर्ण रूप से राज्य सरकार के खजाने तक नहीं पहुँच पाता, वहीं दूसरी ओर अधिक मुनाफा कमाने के लालच में खनन माफिया मानक से अधिक खनन करते हैं। मानक से अधिक खनन हो जाने के कारण बरसात के समय नदियाँ विकराल रूप धारण कर तबाही मचाती हैं। नदी में आये तेज बहाव के कारण जो नुकसान इन नदियों पर बने पुल और नदियों के किनारों को होता है उसका हर्जाना भी राज्य सरकार को अपने खाते से ही भरना पड़ता है। उत्तराखण्ड में मानसूनी सीजन के दौरान भू-धंसाव, भूस्खलन, पुलों व पुलियाओं का टूटना यूं तो आम बात है। लेकिन हर सीजन में नदियों पर बने इन पुलों के टूटने की घटनाए बताती है कि कहीं तो कुछ गड़बड़झाला है। लोगों का मानना है कि इन पुलों के नजदीक होने वाला खनन ही इन पुलों के टूटने का मुख्य कारण है, जिस पर प्रशासन भी मौन है। तो राज्य में अवैध खनन एक बड़ी समस्या है। इससे न सिर्फ राज्य के राजस्व को ठेंगा दिखाया जाता है बल्कि अवैध खनन के चलते बरसाती सीजन में क्षेत्रवासियों को भारी परेशानियो का सामना करना पड़ता है। पौड़ी जनपद के कोटद्वार में भारी बरसात के बीच मालन पुल के गिर जाने से 35 से ज्यादा गाँवों का सम्पर्क टूट गया है। जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल के उत्तर व दक्षिण दिशाओं में अवैध खनन के कारण गढ्ढे हो गये थे। जिस कारण बाढ़ का कटाव तेज होने पर पिलर की जड़े कमजोर होने के कारण पुल ढहा है। इससे पूर्व बीते वर्षो के दौरान मानसूनी सीजन में देहरादून ऋषिकेश के बीच रानीपोखरी क्षेत्र में एक बड़ा पुल टूट गया था। जिस दौरान भी स्थानीय लोगों का आरोप था कि पुल के आस पास हो रहे अवैध खनन के कारण ही यह पुल टूटा है। हालांकि सरकार ने इसकी जाँच के आदेश भी दिये थे लेकिन फिर भी राज्य की नदियों और खास तौर पर पुलों के नजदीक होने वाले खनन पर सरकार अब तक कोई कार्यवाही नहीं कर सकी है। सूत्रों का कहना है कि राज्य के कई पुलों के आस पास अब भी लगातार अवैध खनन का कार्य जारी है। लेकिन स्थानीय प्रशासन इस पर अंकुश लगाने में नाकामयाब है। सरकार को अगर इन पुलों की उम्र लम्बी करनी है तो उसे इन पुलों के आस पास होने वाले अवैध खनन पर लगाम कसनी होगी नहीं तो राज्य में अन्य पुलों को ध्वस्त होने से नहीं रोका जा सकेगा। नेपाल के जलअधिग्रहण क्षेत्र और जिले में हो रही बारिश से नदियों के जलस्तर में ऊफान जारी है। सभी नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो चुकी है वहीं कुछ नदियों का जलस्तर खतरा के निशान के करीब पहुँच चुका है। नदियों में आयी ऊफान के कारण लोगों को बाढ़ की आशंका सताने लगा है। नदी के किनारे के लोग बाढ़ को लेकर स्वयं की तैयारी करने लगे हैं। बागमती में उफान से जहाँ शिवहर-मोतिहारी सड़क बाधित है, वहीं कोपल डैम के ध्वस्त होने से रुन्नीसैदपुर के खड़का से लेकर कटौझा तक के बांध पर

शेष पृष्ठ 3 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

मर्यादा याद दिलानी पड़ रही है

आधुनिकीकरण, विज्ञानीकरण, नवीनीकरण.......सबकुछ नई सजावट के लिये कहा जा रहा है। इस सजावट और दिखावट में इतना उतावलापन है कि हर प्रकार का नंगापन दिखने लगा है। इसके लिये प्रोत्साहित करने वाले भी कम नहीं हैं। पर्दे की बातें अपने आप से सड़क पर दिखाने का दौर चल पड़ा है। इसमें कौन क्या करने लगेगा अनुमान लगाना कठिन है। यही सब कारण है कि धार्मिक स्थलों में भी पिकनिक होने लगी है। हर हाथ में मोबाइल होने से सब बेरोकटोक वह सब करने लगे हैं जो लज्जा का कारण बनता है।

बढ़ती जा रही उच्छृंखलताओं को देखते हुए अब मन्दिर समितियों ने ऐलान कर दिया है कि श्रद्धालु मर्यादित वस्त्रों में ही प्रवेश करें। बीते दिवस केदारनाथ मन्दिर में बनी वीडियो व रील के सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद मन्दिर समिति ने सख्ती से कहा है कि श्रद्धालु मर्यादित वस्त्रों में ही आ सकेंगे। साथ ही मोबाइलबाजी याने मन्दिर में सेल्फी पर मनाही की है।

यह बात साफ दिखाई दे रही है कि मान-मर्यादा छोड़ मनमर्जी करने वाले युवाओं के निशाने पर धार्मिक स्थल आ रहे हैं। जिस स्थल पर लोग ईश्वरी शक्ति को पूजते हैं, अपने रोग-शोक को दूर करने की विनती करते हैं, उन स्थानों पर रेलमपेल भीड़ की पिकनिक सनातन व्यवस्था को दूषित करना है। छिछोरे किस्म के गाने गाते-बजाते डीजे पर नाचते लोगों को श्रद्धालु का नाम नहीं दिया जा सकता है। शर्म की बात है कि मर्यादा में रहने के लिये अपील करनी पड़ रही है। अहरावा-पहरावा फैशन इतना ज्यादा हो चुका है कि जैसा-तैसा टिक नहीं पाए। बाजार ने घरों के भीतर सेंध लगा दी है। हरेला पर हरी साड़ी पहनकर सेल्फी, बसन्त पंचमी पर पीली पहन का सेल्फी.... .....याने नये रिवाजों को नित जन्म दिया जाने लगा है। इतना ज्यादा करना किसी के लिये आडम्बर हो सकता है तो किसी के लिये मजबूरी। जीवन की सच्चाई को जीना जरूरी है। दिखावा छोड़, सुख-दुःख के साथी हों और अपने तीज-त्यौहारों की अपनी सी उमंग। इसमें मर्यादा स्वतः बनी रहती है।

फसक

दाज्यू, नशे से बरमांड रिंगी जाने वाला ठैरा

रील बनने और रील बनाने के लिये फटकमार हो रही है बल

दाज्यू, लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों का जमावड़ा और भाजपा की रणनीति किसी नशे से कम नहीं है। ये सत्ता का नशा ही है कि हर कोई कुर्सी में बैठकर जनता को मन्तरना चाहता है। दाज्यू, नशे से बरमांड रिंगी जाने वाला ठैरा। पाकिस्तान की सीमा हैदर काफी घूमफिर कर हमारे देश में आ गई और अपने प्रेमी के साथ उसने रील भी बना डाली। जवाना रंगीना है। रील बनने और रील बनाने के लिये फटकमार हो रही है बल। हल्द्वानी में अपने प्रेमी को साँप से डसवाकर मरवाने वाली प्रेमिका ने कई जगह फटक मारी बल। उसके ब्वाय फ्रेंड, सपेरा फ्रेंड, नौकर फ्रेंड बताये जा रहे हैं। दाज्यू, कलजुग में यह सब देखकर कलेजा उतर जाता है। इतना होने पर भी रील बनाने का धन्धा जोर पकड़ रहा है। कोई लुटे चाहे कोई पिटे, रील बनाने का भी नशा सिर चढ़कर बोलने वाला ठैरा। रुड़की में सांसद निशंक को गलियाने वाले का वीडियो भी खूब वायरल हो गया। हरिद्वार व आसपास निशंक, चैम्पियन, उमेश कुमार, हरीश रावत, हरक सिंह के नाम लेकर कागज की नाव चलाने वाले बहुत हैं बल। भगवान सबकी भली करे। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों व कालेजों में सितम्बर माह में छात्र संघ चुनाव होंगे बल। सरकार बहादुर ने पूरा कार्यक्रम तय कर दिया है। दाज्यू, शिक्षण कार्य तय समय वाला इन्तजाम ठीक लग रहा है लेकिन बिगड़ेल व्यवस्था इतनी जल्द सुधर जाएगी? लट्ठ लेकर पिलपिलाने वाले छात्रनेता किसी की नहीं सुनते हैं बल। जुवा ठैरा, उनका अपना नशा हुआ। जवानी में बरमांड वैसे ही रिंगी जाने वाला हुआ।

देहरादून की विकास नगर कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर कल्याणपुर में भूमि की जांच के मामले में आयकर के फर्जी ज्वाइंट कमिश्नर बनकर एसडीएम को फोन कर दिया। पुलिस क्या करे, मुकदमा दर्ज कर नौकरी कर रही है। ले-दे कर पुलिस की ही आफत होने वाली ठैरी। रुद्रपुर में कार लूट मामले में भाजपा नेता सहित तीन गिरफ्तार हुए हैं। बब्बू लव जेहाद की बात करते हुए गुस्से में है। कह रहा था- 'कालेज में प्रवेश करवाने के लिये बिलावल आ रहा है और साथ में दयप्रताप, भर्तू तेबाड़ी हैं।' दाज्यू, दर्दे दिल के लिये क्या किया जा सकता है? -तुम्हारा भुली झकरुवा

पिघलता हिमालय स्थापना के ४६ वें वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं-

श्रीमती तारा पांगती

सामाजिक कार्यों पर संस्कृति संरक्षण के लिये पुरस्कृत

बूंगा, मुनस्यारी

बद्री लाल

गौरव दीप वर्मा

शुद्ध सोने चाँदी के आभूषणों के निर्माता

पुराना बाजार

थल

नवीन

गारमेंट्स

नवीन पन्त

मेन बाजार

बेरीनाग

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मुक्त भूमि पर योजना

नैनीताल : नई-पुरानी बातें

पि.हि.प्रतिनिधि

नैनीताल। मेट्रोपोल स्थित शत्रु सम्पत्ति में हटाये गये अतिक्रमण के बाद से प्रशासन सरोवर नगरी को जाम से मुक्त करने की योजना बना रहा है। इसके लिये पार्किंग और एलिवेटेड रोड की बात कही जा रही है ताकि सैलानियों के साथ स्थानीय लोगों को लाभ मिल सके।

बताते चलें कि हाईकोर्ट के आदेश पर पिछले दिनों शत्रु सम्पत्ति पर वर्षों से कब्जा किये हुए लोगों ने अपना सामान समेटना शुरु कर दिया था। इसके बाद भारी पुलिस फोर्स के साथ प्रशासन अपनी कार्रवाई में जुट गया। दस जेसीबी मशीन लगाकर मेट्रोपोल कम्पाउण्ड को ढहा दिया गया। करीब 12 घण्टे तक चली कार्रवाई में134 परिवारों के घरों का ध्वस्तीकरण हुआ। इस तोड़फोड़ को देख रही भीड़ भावुक थी लेकिन जिस कार्रवाई के लिये लम्बे समय से शासन प्रशासन तैयारी कर रहा था, उसे तय समय पर होना ही था। अब इस भूमि पर प्रशासन अपने स्तर से संवारने की योजना बनाएगा। कमिश्नर दीपक रावत ने संकेत किया है कि कब्जे से मुक्त की गई भूमि पर एलिवेटेड रोड बनाने की योजना शहर के लिये महत्वपूर्ण हो सकती है। साथ ही पार्किंग सुविधा के लिये भी निर्माण हो सकता है।

शत्रु सम्पत्ति क्या है? जानिए- मेट्रोपोल होटल नामी होटल रहा है। होटल के आउट हाउस में कभी राजा महमूदाबाद व उनके बंशजों के मुलाजिम रहे कई परिवार रहे थे। इसके शत्रु सम्पत्ति होने सम्बन्धी वाद देशभर ककी न्यायालयों में विचाराधीन रहे। दूसरी ओर इन बातों के बेखबर लोग उन्हें मिले आवासों की मरम्मत कर संवारते रहे। वर्ष 2006 में न्यायालय के आदेशों के क्रम में जिला प्रशासन ने राजा महमूदाबाद के पोते सुलेमान पुत्र आमिर मोहम्मद को कब्जा दिलावाया। सुलेमान ने प्रशासन से पूरे मेट्रोपोल पर कब्जा मांगा, जिससे वहाँ रह रहे परिवारों से प्रशासन ने घर खाली करवाया। उस समय लोगों ने राजा के पौत्र से मार्ग के नीचे की जमीन पर उन्हें बसाने की मांग की। इस पर राजा ने उनसे वहाँ बस जाने को कहा। इसके बाद लोग अपने आशियाने बनाने लगे। समय बीतता गया, जनसंख्या भी बढ़ी। इन परिवारों की संख्या 134 हो गई। अब कब्ज हटने पर कई परिवार अपने मूल स्थान रामपुर, स्वार, बरैनी चले गये हैं।

केयर टेकर अब्दुल सत्तार बताते है। कि उनके दादा अब्दुल कादिर राजा महबूबा बाद के मुलाजिम थे। वर्ष 2006 में उनके पौत्र ने उन्हें केयर टेकर की जिम्मेदारी दी। और मेट्रोपोल आउट हाउस से हटाए गये लोगों को सड़क के नीचे की ओर बसने को कहा।

नैनीताल की इस नई-पुरानी बात से छनकर आया है कि ध्वस्त के बाद नव निर्माण होगा।

पुल टूटने का.........

प्रथम पृष्ठ का शेष

उपधारा का दबाव बढ़ता जा रहा है। इधर सुप्पी में ढेंग पुल से लेकर गम्महरिया गाँव तक पानी का दबाव पूर्व की ओर बढ़ने लगी है, जिससे आसपास गाँवों में भय का आलम है। इसके साथ ही जिले के अधवारा, झीम व लालबकैया में जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी है। अधिकतर नदियों का जलस्तर खतरा के निशान के करीब पहुँच चुका है। वहीं वर्तमान में लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। दूसरी तरफ बारिश के कारण बागमती के जलस्तर में वृद्धि जारी है। इससे नदी के पूर्वी किनारे के कटाव वाले क्षेत्र में ढेंग पुल से लेकर गमहरिया तक दवाव बढ़ रहा है। स्थानीय निवासी तक ठेकेदारों द्वारा मिट्टी की खुदाई की गई है, जिससे बने गड्ढों के कारण अब नदी की धारा पूर्व की ओर मुड़ने का खतरा मंडराने लगा है। इस अवैध खनन के कारण अगर नदी अपना धारा बदलता है तो किसानो के हजारों एकड़ खेतिहर जमीन नदी में विलीन हो जाएंगे। नदियों में होने वाला अवैज्ञानिक और अवैध खनन प्रकृति के साथ-साथ राज्य के खजाने को भी दो तरफा नुकसान पहुँचा रहा है, पहला अवैध खनन के चलते खनन का सही मूल्य पूर्ण रूप से राज्य सरकार के खजाने तक नहीं पहुँच पाता, वहीं दूसरी ओर अधिक मुनाफा कमाने के लालच में खनन माफिया मानक से अधिक खनन करते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष 2020-21 में कुल 506.24 करोड़ रुपये का राजस्व राज्य सरकार को प्राप्त हुआ। खनन से प्राप्त राजस्व के इस हिस्से और राज्य में लगातार बढ़ते अवैध खनन के बारे में, पूर्व कमिश्नर ऑफ गढ़वाल रह चुके, सेवानिवृत बोर्ड ऑफ रिवन्यू और आईएएस अधिकारी सुरेन्द्र पांगती कहते हैं कि आज उत्तराखण्ड की नदियों से करोड़ों रुपये का खनन होता है लेकिन राज्य सरकार को राजस्व के रूप में एक छोटा हिस्सा ही मिल पता है, खनन से आने वाली आय के एक बड़े हिस्से पर खनन माफियाओं का कब्जा है, अधिकांश खनन के पट्टे सत्ताधारियों और उनके रिश्तेदारों के ही होते हैं इसलिए ये लोग किसी की परवाह किये बिना नदियों से अवैध खनन कर ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं। आज खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलन्द हो चुके हैं कि यदि कोई इनके खिलाफ आवाज उठाता है तो उसको किसी न किसी प्रकार से चुप करा दिया जाता है। सरकार की खनन नीति पर सवाल उठाते हुए कहते हैं कि रेत बजरी के लिए नदियों में होने वाला खनन माइनर मिनरल के तहत आता है, जिसको लघु वनोपज भी कहा जाता है, वर्ष 1993 में हुए 73 वें संशोधन के अनुसार लघु वनोपज का अधिकार भी पंचायतों को मिलना चाहिए, यदि ये अधिकार पंचायतों को मिलता तो खनन करने का अधिकार पंचायतों के पास होता जिससे गाँव के बेरोजगार युवाओं को विभिन्न प्रकार के रोजगार गाँव के आस पास ही मिल जाते और गाँव का युवा अपने गाँव में जिम्मेदारी के साथ खनन करता और यदि कोई अवैध गतिविधि भी करता तो उसको रोका जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं है। आज अधिकांश खनन माफिया क्षेत्र के बाहर से आते हैं जो केवल अपने मुनाफे के बारे में सोचते हैं, क्षेत्र की जनता और क्षेत्र की जमीन को होने वाले नुकसान के बारे में नहीं। आज खनन माफिया पर्वतीय जिलों तक पहुँच चुका है, जो राज्य की शांति प्रिय संस्कृति को भी प्रभावित कर रहा है। आज सरकार से यह सवाल पूछना बहुत जरुरी हो जाता है कि क्यों सरकार अवैध खनन के इतने बड़े मुद्दे को लेकर कोई ठोस नीति नहीं बना पा रही है? क्यों 73 वें संशोधन को पूर्ण रूप से लागू नहीं किया जा रहा है? राज्य की नदियां और जंगल यहाँ के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, यदि किसी प्रकार से नदी और जंगल प्रभावित होते है तो इसका सीधा प्रभाव यहां के पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। लेकिन राज्य सरकार द्वारा आपदा प्रबन्ध 2005 के नाम पर नई खनन नीतियों में लगातार पर्यावरण सुरक्षा मानकों में ढील दी गयी है, जिस कारण नदियों में खनन और भी आसान हो गया है। नई खनन नीति के अनुसार नदी में खनन करने से नदी में आने वाली आपदाओं को रोका जा सकता है, परन्तु पिछले कुछ वर्षों में इसके विपरीत नतीजे देखने को मिले हैं, जिसका मुख्य कारण खनन को लेकर पर्यावरण नियमों को अनदेखा करना है। कुछ जगहों से नदियों में जमा आरबीएम को निकालना सही हो सकता है लेकिन मुनाफे के लिए लगातार अधिक मात्रा में खनन नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करता है। यदि इसी प्रकार नदियों में लगातार खनन होता रहा तो भविष्य में और भी ख़तरनाक नतीज़े देखने को मिलेंगे। लेकिन यदि नदियों से अधिक मात्रा में इन मिनरल को निकला जाता है तो इससे नदी तंत्र प्रभावित होता है जो कहीं न कहीं पर्यावरण के लिए हानिकारक है। खनन प्रकृति के अतिरिक्त स्थानीय लोगों के लिए भी खतरा बनता जा रहा है, कई बार तो खनन के लिए किये गए गड्ढों में डूब कर लोगों की जाने भी गयी हैं। विशेषज्ञों आगे कहते हैं कि हमारी सरकारों को केवल आय के स्रोत के रूप में नदियों को न देखते हुए नदियों के प्राकृतिक महत्व की ओर भी ध्यान देना चाहिए। नदियों की सुरक्षा और अवैध खनन की रोक थाम के लिए सरकार को सुझाव देते हैं कि उत्तराखण्ड सरकार नदियों में खनन बहुत ही अपारदर्शी और गैर जिम्मेदाराना तरीके से कर रही है सरकार को खनन करने से पहले विश्वसनीय तरीके से रिप्लेनिशमेंट स्टडी, पर्यावरण प्रभाव आँकलन, डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट को पब्लिक डोमेन में रखकर विशेषज्ञ से राय लेनी चाहिए, अवैध और अनसस्टेनेबल खनन की निगरानी के लिए स्थानीय लोगों और स्वतंत्र विशेषज्ञों की समिति का गठन करना चाहिए, उत्तराखण्ड सरकार को खनन विभाग की वेबसाइट अपडेट किए सालों हो गए हैं जिसका समय से अपडेट होना आवश्यक है साथ ही खनन माफिया को रोकने के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी करना चाहिए ताकि समय से जानकारी मिलने पर प्रशासन उचित कदम उठा सको। उत्तराखण्ड में हो रही लगातार भारी बारिश में भूस्खलन के कारण सड़के बन्द होने और नदियों पर बने पुलों के बहने की खबरे आ रही हैं। अब भी समय है, जब राजनीतिक दलों को इस विषय में गम्भीरता से सोचना चाहिए। विडम्बना यह है इस ओर हमारे दायित्व के प्रति हम सबने आँखें मूंद रखी हैं (लेखक वर्तमान में दून विश्वविद्यालय कार्यरत हैं।)

सावन की पोली

पल्यौ भुनी घुडराली दायुली
बाब्यो ज्योंरा कमर वादली
नाङी खुटा चपल पेरली
वन बाटा खुटकाना बुरली
हिट भुली हौल्यानी जें छैरे
घास नेंछ चानुली विमैरे
वाट घाट ओछेप हेरेछ
औन-जान कठिन हेरेछ
झाड़-पात पड़ी रेछ औस
धरती क भरी रेछ कोख
भूमि हरी डाल हरी हेरोछ
वनकी, रूख हरी हेरोछ
डाना धूरा हौल्यानी लागी रो
सावन की बहार छायी रो
भीजी गेछ घाघरी संजाब
चौमासी दिन न आछ अन्ताज
तर हेगे घाघरी क चाल
गुन पारूं, हुंछ वांकी बेहाल
सुरसुर्या चली रो वयाल
उड़ी जांछ मेर सिरें की साल
कड़-कड़ बिजली कड़की
घड़-घड़ द्यो कसी घड़को
धनौला लाग होल्यानीया भीर
न वरस हौल, भीगी रे शरीर
कसी काटूं पालुरी क घास
हौयानी देखी, मन भे उदास
वादल, पानी, चमकी बिजली
न काटुं घास, सासू कि कौली
रंगीली चौमासे बरखा छाजंछ
घास काटूं दातुली बाजंछ
छुम-छुम वाज घुङराली दातुली
बांज की पोली रूखे जै कांट्ली
एक चोट पोले, कि मार
टूटि गे दांतुली क धार
कसि काटूं, वाजांनी क पोली
घर हूँ जाइ, सासू कि कोली।

-देव सिंह बोरा

ज्योतिष की बातें - 137

4 अगस्त 2023 को शुक्र वक्री गति से चलते हुए पश्चिम दिशा में सिंह राशि में अस्त हो जाएगा। सिंह और फिर कर्क राशि में गोचर करते हुए 14 दिन बाद शुक्र पुनः उदय हो जाएगा। इन 14 दिनों में शुक्र से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल प्राप्त नहीं हो सकेंगे। शुक्रास्त की अवधि में विवाह आदि शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। इस समय तो देवशयन के कारण पहले से ही शुभ कार्य स्थगित हैं। 'ज्योतिष की बातें' नामक इस स्थाई स्तम्भ के अन्तर्गत किसी भी ग्रह के गोचरफल का सामान्य रूप से वर्णन किया जाता है। व्यक्ति विशेष के लिए उसकी जन्मकुण्डली, महादशा, अन्तर्दशा आदि का भी सूक्ष्म विशेषण करना पड़ता है। शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 28

बहुविवाह और वास्तविकता

आजकल बहुविवाह पर प्रतिबन्ध पर बहुत चर्चा होती है। आपके भी मन में एक प्रश्न उठता होगा कि जिन देशों में बहु विवाह पर प्रतिबन्ध नहीं है, जहाँ पर एक से अधिक विवाह करने पर रोक नहीं है, वहाँ पर क्या सभी मनुष्य 2-2, 4-4 शादियाँ करते हैं? क्या उन देशों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ रही है? जिन जनजातियों में, जिन सम्प्रदायों में, जिन समाजों में एक से अधिक विवाह करने पर रोक नहीं है, क्या उस समाज में सभी पुरुष दो-दो, चार-चार विवाह करते हैं? उनकी आबादी इस कारण बहुत तेजी से बढ़ रही है क्या? इस बात का आकलन करें, गुग्गल सर्च करके भी देख सकते हैं।

पुनः एक प्रश्न पैदा होता है कि यदि देश में सभी को चार-चार न सही दो-दो ही शादी करने की अनुमति दे दी जाए तो वर्तमान में आबादी के अनुसार 70 करोड़ पुरुषों के लिए 140 करोड़ स्त्रियाँ कहाँ से आएंगी? क्योंकि प्रकृति में किसी भी योनि में नर और मादा समान रूप से उत्पन्न होते हैं।

सच्चाई तो यह है कि हर पुरुष स्वाभाविक रूप से एक ही विवाह करना चाहता है। वह किसी कारणवश, मजबूरी में ही दूसरा विवाह करता है। ऐसा सैकड़ों में कोई एक-दो ही करते हैं। दूसरी ओर सैकड़ों मनुष्यों में दो चार व्यक्ति सन्यासी भी जाते हैं या किसी अन्य कारण से शादी करना नहीं चाहते है। इस प्रकार प्रकृति में सन्तुलन स्वमेव बना रहता है। मेरे विचार से इस कारण बहुविवाह पर प्रतिबन्ध या कोई नियम न तो प्राचीन काल में था और न ही वर्तमान में उसकी कोई आवश्यकता है।

'सम्यक् विचार' नामक इस स्तम्भ में मैं पूर्णतः निरपेक्ष भाव से अपने मौलिक विचार प्रस्तुत करता हूँ। मेरे इन विचारों से किसी का सहमत होना आवश्यक नहीं है, फिर भी जो इन विचारों से सहमत हों उन्हें मेरे इन विचारों का अपने अपने स्तर पर प्रचार प्रसार करना चाहिए ।

-सरल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पौसा-नरगोली सड़क डामरीकरण की मांग

बेरीनाग। पौसा-पोस्ताला-चंतोला-नरगोली के ग्रामीणों ने सड़क डामरीकरण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। नगर पंचायत अध्यक्ष हेम पन्त के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि 2003 में बेरीनाग से पौसा, पोस्ताला, चन्तोला, नरगोली और औलानी में सड़क निर्माण किया गया था लेकिन बीस साल बाद भी इसमें केवल तीन किमी ही डामरीकरण हुआ है।

पांखू के सेरागाड़ में पुलिया क्षतिग्रस्त

थल। पांखू के बैरा जुब्बर से बौगाड़ के लिए जाने वाली सड़क पर सेरागाड़ के पास बनी सीमेंट की पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाने से आवाजाही में दिक्कत हो रही है। इससे बौगाड़, बोलकट्टा, फल्यांटी, वसैत, बन्तोला, सेराखान, जड़िया, तोराथल, खोलागांव के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने पीएमवीएसवाई से शीघ्र पुलिया निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

रानीखेत में धरना, नगरपालिका मांग

रानीखेत। रानीखेत विकास संघर्ष समिति पिछले चार माह से लगातार धरना दे रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सिविल एरिया को रानीखेत-चिलियानौला नगर पालिका में समायोजित नहीं किये जाने तक आन्दोलन जारी रहेगा। धरने में गिरीश भगत, कैलाश पाण्डे, भुवन साह, भैरव दत्त पाण्डे, खजान जोशी, जयन्त रौतेला, लक्ष्मीदत्त पाण्डे, दीप बिष्ट, किरन साह आदि मौजूद थे।

द्वाराहाट में दस्तावेजों की जाँच

द्वाराहाट। गोवंश के साथ अप्राकृतिक क्रूरता के मामले के बाद क्षेत्रवासियों ने बाहरी लोगों के दस्तावेजों की जाँच को कहा है। व्यापार मण्डल, टैक्सी यूनियन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नगर पंचायत सभागार में ब्लाक प्रमुख दीपक किरौला की अध्यक्षता में बैठक कर कहा कि क्षेत्र में रह रहे बाहरी लोगों के दस्तावेजों का पुलिस व प्रशासन के सहयोग से सत्यापन किया जायेगा।

साढ़े चार करोड़ से संवरेगा रेलवे स्टेशन

रामनगर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्थानीय रेलवे स्टेशन 4.43 करोड़ की लागत से संवारने की योजना है। स्टेशन पर प्राकृतिक एवं आधुनिकता का समावेश होगा। पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मण्डल के जनसम्पर्क अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने बताया है कि रामनगर रेलवे स्टेशन पर यात्री आरक्षण भवन की दीवारों सहित बुकिंग कार्यालय का विस्तार, आगन्तुक कक्ष में फॉल सीलिंग का विस्तार, स्टेशन परिसर में स्थित राजकीय रेलवे पुलिस को पुर्नस्थापित कर नए शौचालय ब्लाक बनाए जायेंगे। पर्यटकों की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण स्टेशन है।

हादसे पर एक्शन-रिएक्शन

हादसे के बाद भड़के

चमोली में हुए भीषण हादसे पर एक्शन रिएक्शन जारी है। दुःख से घिरे परिवारों का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई इनसे नहीं हो सकती। हादसे के बाद कांग्रेस सहित विपक्ष भड़क चुका है। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया है। पूर्व मंत्री हरक सिंह सहित तमाम नेताओं ने सीएम को इस्तीफा देने की मांग की है। सरकार की ओर से मामले पर जाँच करवाई जा रही है। सीएम पुष्कर धामी मौके पर गये और पीड़ित परिवारों से भेंट करने के अलावा कम्पनी पर मुकदमा दर्ज करने के साथ ही दो अधिकारी तत्काल निलम्बित कर दिये। सीएम के निर्देश पर जल संस्थान की मुख्य महाप्रबन्धक नीलम गर्ग ने एसटीपी प्लान्ट का संचालन करने वाली कम्पनी के कार्यों की निगरानी कर रहे सहायक अभियन्ता हरदेव लाल को को निलम्बित कर दिया। यूपीसीएल के महाप्रबन्धक मानव संसाधन आर.जे. मलिक ने विद्युत वितरण खण्ड गोपेश्वर के प्रभारी अवर अभ्यिन्ता कुन्दन सिंह रावत को निलम्बित कर दिया।

चमोली के नमामि गंगे प्रोजेक्ट में हुई इस हृदयविदारक घटना के बाद एक ओर अलकनन्दा किनारे सामूहिक चिताएं जल रही थीं दूसरी ओर कांग्रेस मुआवजा राशि बढ़ाने के लिये प्रदर्शन कर रही थी और भाजपा ने प्रदर्शन करते हुए कहा कांग्रेस सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिये यह सब कर रही है। जाँच पड़ताल और स्थानीय लोगों के अनुसार पहले भी प्लान्ट में पहले भी धमाके हुए हैं

दुःखों का पहाड़ टूटा, घाव ताजा

चमोली में करंट से शोक

चमोली में नमामि गंगे परियोजना के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट में करंट फैलने से हुई मौत के घाव सबको रुला रहे हैं। दुःखों का पहाड़ टूटने से प्रदेश व केन्द्र सरकार ने शोक प्रकट किया है। लेकिन सवाल है कि बेमौत मारे गये 16 लोगों का गुनाहगार किसे कहें?

अलकनन्दा नदी किनारे बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट में तैनात आपरेटर गणेश की रात्रि में मौत हो चुकी थी, सूचना मिलने पर परिजन व स्थानीय लोग उसे देखने पहुंचे। उस समय अचानक फिर से करंट दौड़ने लगा और हादसे में 16 लोग मारे गये।

इस पूरे हादसे में यूपीसीएल और जल संस्थान एक-दूसरे के पर बात टाल रहे हैं। जानकारों का मानना है कि जब जब सुबह जेई और अन्य लोग एसटीपी परिसर में पहुंचे तो मौके पर पैनल जला हुआ था। पम्प हाउस का कनेक्शन बन्द किया गया था। इस सबके बावजूद कोई चूक तो जरूर हुई है। अब जांच पर कोई बात कही जायेगी लेकिन उनका क्या जो बेचारे मौत के मुंह समा गये।

इस घटना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित तमाम नेता क्षेत्र में आये और मजिस्ट्रेटी जांच का आदेश भी हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने शोकाकुल परिवारों के प्रति सम्वेदना प्रकट करते हुए राज्य सरकार से हर सम्भव मदद को कहा है। राष्ट्रपति सहित देश के हर कौने से दुःख की इस घड़ी में शोक प्रकट किया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घटना की जानकारी लेते हुए सीएम से मामले की जांच को कहा है।

चमोली की यह घटना बता रही है कि पहाड़ में कितने ज्यादा खतरे हैं।

व्यास घाटी में बादल फटने से तबाही

धारचूला। सीमान्त की व्यास घाटी में लगातार बादल फटने से तबाही मची है। चीन सीमा से लगे क्षेत्र में बादल फटने से दस से अधिक नालों का पानी बेतहाशा बढ़ने लगा था, इसमें 5 दर्जन बकरियां काल के गाल समा गईं। नपलच्यू और कुटी यांगती नदी में भारी बारिश से नुकसान हुआ। गुंजी, रौंककांग, नाभी, गर्ब्यांग के लोगों ने डरते हुए समय बिताया। एसडीएम धारचूला दिनेश शासनी ने बताया कि कालापानी क्षेत्र में भारी बारिश से नवेली नाले में बादल फटा। इस नाले के समीप सीमा को जोड़ने वाली सड़क में बना पुल बह गया। इससे पहले अतिवृष्टि से भारी क्षति हो चुकी है।

लिपुलेख एनएच पर जहां बादल फटा है उसमें दस किमी की परिधि में कोई मानव आबादी नहीं है। लेकिन बादल फटने और नालों में के भंयकर रूप से निचले क्षेत्र पर रह रहे लोग सहमे हुए हैं। नवेती नाले में बैली ब्रिज टूटने से से गुंजी और कालापानी का सम्पर्क कटा हुआ है। तवाघाट-लिपुलेख एनएच में कई जगह मलबा आया है। मालपा, गर्बाधार, बेलवीटी में सड़क दिक्कत बन चुकी है।

पुरोला में भी बादल फटा, नुकसान

सिंचाई नहरें टूटी

उत्तरकाशी। आफत के इन दिनों में पुरोला में भी बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। पुरोला के आकरु जंगल में बादल फटने से छाड़ा खड्ड कमल नदी, माल गाड़ सहित तमाम गधेरे उफान पर आ गए और कृषि भूमि व सेब के बगीचों को भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ से कई घरों में पानी व मलबा भर गया। गाँवों के पैदल मार्ग व पुलिया, विद्युत पोल, सिंचाई नहरों व पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं।

छाड़ा गाँव के सकल चंद, रविन्द्र ने बताया कि नदी का जल स्तर अचानक बढ़ने पर उन्होंने घर से भागकर अपने को बचाया। आपदा के घाव पूरे इलाके में दिखाई दे रहे हैं। अभी बरसात के दिनों में परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है।

सीमान्त जनपद उत्तरकाशी के पुरोला बड़कोट के नन्दगाँव और उप तहसील धौंतरी क्षेत्र में बादल फटने से हुए नुकसान का प्रशासन ने आंकलन करते हुए सहायता राशि वितरित की है। बड़कोट तहसील के गंगनानी में भूस्खलन का मलबा आने के कारण एक टूरिस्ट रिजॉर्ट के कुछ कॉटेज क्षतिग्रस्त हुए। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के परिसर में भी मलबा घुस चुका है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलबा आने से यातायात में दिक्कत हो रही है।

भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर खतरा

गिर रहे बोल्डर

हल्द्वानी। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई जगह मलबा गिरने से खतरा बना हुआ है। कैंची से आगे कई गजह कच्ची पहाड़ी से मलबा-बोल्डर गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो रहा है। हालांकि यातायात में रुकावट न हो इसके लिये जगह-जगह मशीनें लगाई गई हैं। लेकिन बरसात के इन दिनों में यात्रा करने पर विशेष सावधानी जरूरी है। लोहाली में तो सर्वाधिक खतरा बना हुआ है।

हल्द्वानी-नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो गाँव से पहले भेड़िया पवखाान में भी चट्टान से मलबा गिर रहा है। यहाँ पर अक्सर मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। ऐसे हालातों में भीमताल मार्ग से यातायात व्यवस्था संचालित की जाती है। उधर हैड़ाखान खनस्यूं मार्ग पर भूस्खलन होने से यातायात प्रभावित हो रहा है। पूरे मार्ग पर मलबा आने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें अभी समय लगेगा।

थ्वालखेड़ा को शराब से बचाया जाए

टकनपुर। नेपाल से घिरे थ्वालखेड़ा में शराब तस्करों के आतंक से परेशान महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए इलाके को नशे से बचाने की अपील की है। शराब बेच रहे गाँव के दुकानदारों से महिलाओं की नोंकझोंक भी हो चुकी है। ग्राम प्रधान दीपा बोहरा ने बताया कि महिलाओं की 5 दुकानदारों से झड़प हो चुकी है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि यह क्षेत्र पहले से ही पिछड़ा और दूरस्थ है, ऊपर से इस प्रकार के कार्य गलत दिशा को ले जा रहे हैं। प्रशासन इसपर रोक लगाए।

डीडीहाट में कूड़ा निस्तारण व्यवस्था?

डीडीहाट। नगर के कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था अभी तक नहीं हो पाई है। कूड़ा निस्तारण के लिये हाटथर्प में प्लांट की तैयारी थी लेकिन ग्रामीणों के विरोध से कोई समाधान नहीं निकला है। ग्रमीणों का कहना है कि हाटथर्प में कूड़ाघर बनने से यहाँ भी माहौल प्रदूषित होगा। पूर्व सरपंच गोविन्द लाल साह ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी सूरत में प्लान्ट नहीं बनने दिया जायेगा। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी का कहना है कि सरकार की भूमि पर ही प्लान्ट निर्माण को लेकर प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है।

परिक्रमा

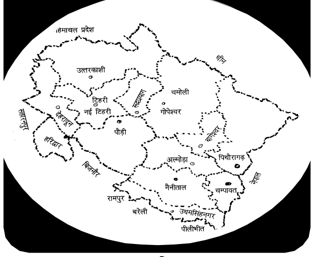

थल में नहीं बन सका तहसील भवन

थल। क्षेत्र का तहसील भवन नहीं बन पाने से सूचना केन्द्र में ही इसके कार्य निपटाए जा रहे हैं। वर्ष 2015 में बेरीनाग और डीडीहाट के 104 ग्राम पंचायतों को अलग कर शासन ने थल को तहसील का दर्जा दिया था लेकिन आज तक इसका भवन नहीं बन सका है। क्षेत्रवासियों ने भवन निर्माण करवाए जाने की मांग की है। तहसीलदार दिनेश कुटोला ने बताया है कि भवन निर्माण के लिये प्रस्ताव भेजा है, बजट जारी होते ही निर्माण शुरु हो जाएगा।

गौलापार के गांव डीडीए के रडार पर

हल्द्वानी। गौलापार में बन रही अवैध कालोनियों की सूचना पर जिला विकास प्राधिकरण ने जांच शुरु कर दी है। गौलापार के 22 गांव डीडीए के रडार पर हैं। यहां हाईकोर्ट शिफ्ट होने की स्वीकृति के बाद जमीनों के दामों में उछाल बताया जा रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मणिपुर और सीमा हैदर मामले पर चुप नहीं है उत्तराखण्ड

पि.हि.प्रतिनिधि

देश-प्रदेश की हर बात पर सजग उत्तराखण्ड मणिपुर और सीमला हैदर मामले पर भी चुप नहीं है। हर बात अलग है कि पार्टी नेता अपने संगठन की लाइन पर रहते हुए बोल रहे हैं। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई निर्ममता पर जगह-जगह प्रदर्शन करते हुए दोषियों को सजा देने की मांग की गई है। कांग्रेस व विपक्षी दलों ने तो प्रदर्शन करते हुए सत्ता पक्ष को इसके लिये दोषी बताया है। सोशल मीडिया पर चर्चा के अलावा देहरादून, नैनीताल सहित अन्य स्थानों पर संगठनों ने मणिपुर घटना पर बड़े प्रदर्शन किये। सवाल उठाए हैं कि देश में यह सब क्या हो रहा है, सरकार क्या कर रही है?

पिछले कई दिनों से चर्चा में बनी हुई पाकिस्तान से आई महिला सीमा हैदर और सचिन की चर्चा पर हर जुवान पर है। इसके लिये अपने-अपने तर्क देकर कोई सीमा का निजी मामला बता रहा है तो कोई उसे पाकिस्तानी एजेंट। इसमें भी अधिकांश मत यह है कि देश की कानून-न्याय व्यवस्था के अनुसार मामले को देखा जाए।

इन दोनों घटनाओं में मणिपुर की हिंसा और महिलाओं के साथ हुए अत्याचार पर सभी में गहरा आक्रोश है जबकि सीमा-सचिन मामले पर रोष से ज्यादा उसकी कहानी चाव से सुनी जा रही है।

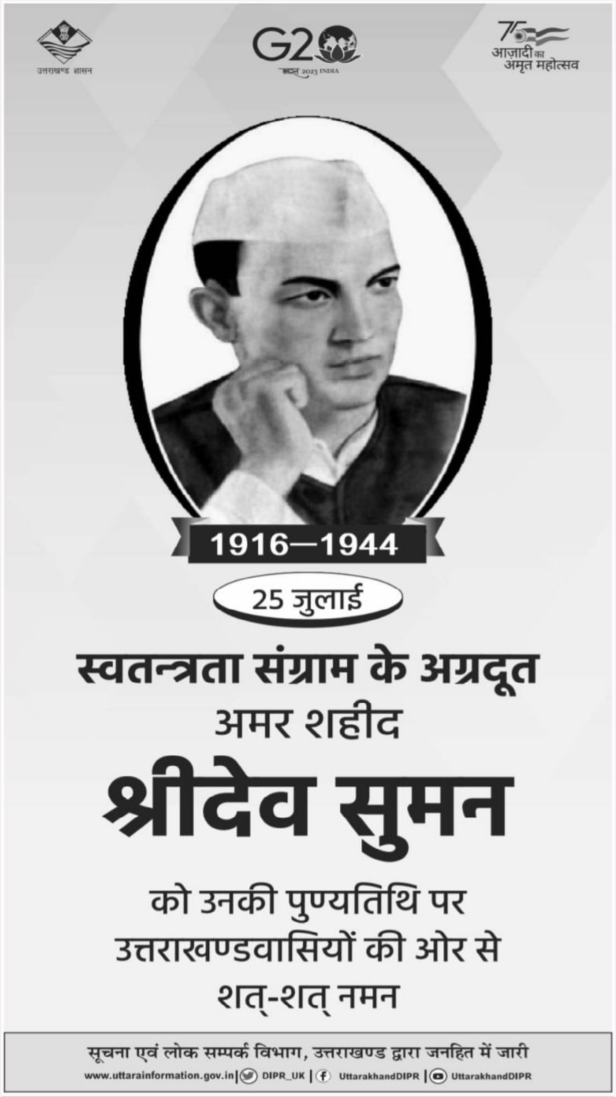

गंगोलीहाट : नगर पालिका को लेकर ताव में आए नेता

मनोज टम्टा, भगवान चंद, दिनेश धानिक के नाम की चर्चा भी की जा जाने लगी है

पि.हि.प्रतिनिधि

देश की राजनीति में एनडीए बनाम इण्डिया का मुकाबले की तैयारी हो रही है लेकिन स्थानीय राजनीति का रंग सभी जगह अपना असर दिखायेगा। लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टियों के ताकतबर नेताओं की ताकत समय आने पर दिखाई देगी लेकिन स्थानीय चुनाव के लिये भी जोरआजमाइश शुरु हो चुकी है।

गंगोलीहाट नगर पालिका चैयमैन के पद के लिये नेतागण ताव में आ चुके हैं। दावा करने वालों की सूची भी लम्बी होती जा रही है। यह बाद दूसरी है कि अन्त में कौन सुलगेगा, कौन बहलावे में आयेगा और कौन कौन भड़काने में आयेगा। इतना जरूर है कि चुनाव के इस मायाजाल में वह सब बातें सार्वजनिक मंच पर सुनाई देंगी जिन्हें दबी जुवान से कहा जा रहा है। कौन प्रत्याशी कहाँ से पैसा खर्च कर रहा है, किसने किस माफिक रोकड़ा जमा किया है, सबकुछ चटकारे लेकर सुनाया जाने लगा है।

सीट की स्थिति क्या होगी, आरक्षण होगा या महिला सीट होगी या सामान्य। लेकिन जिन लोगों के नाम एकदम साफ सुनाई दे रहे हैं उनमें वर्तमान पालिका अध्यक्ष जयश्री पाठक हैं, उन्हें अपने कार्यकाल का अनुभव और इलाके की नब्ज भी पता है। पूर्व चैयरमैन विमल रावल ठोस प्रत्याशी होने का दबदबा रखते हैं। हरीश धानिक 'भीमा' हर चुनौती में रास्ता बनाने के माहिर हैं और उन्होंने ताल ठोकी है। भूपाल आर्य अपनी बात व्यवहार से कुशल रणनीतिकार माने जाते हैं और तैयारी में हैं। इच्छाओं में दर्पण कुमार भी हमेशा से रहे हैं लेकिन उनका भाग्य ही कहा जायेगा उनकी चाह आज तक अधूरी है। तैयारी में जुटे भगवान चन्द को कम नहीं आंकना चाहिये, वह भी लगातार युवाओं को साथ लेकर मोर्चा पर डठे हुए हैं। तेजतर्रार दिनेश धानिक के नाम की भी सुनवाई है क्योंकि वह पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। इन सारे नामों में से पार्टी बहुत सूझ से इस बार टिकट तय करेगी क्योंकि भाजपा सत्ता के स्वाद में है तो जनता का रुख, विधायक की टिप्पणी और वरिष्ठ नेताओं के पैनल के बाद ही एक नाम तय होगी। इसी प्रकार कांग्रेस की ओर से नाम तो कई सुनाई दे रहे हैं लेकन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के विचार-विमर्श के बाद संकेत मिलेगा और यदि दबाव ज्यादा ही रहा तो चुनाव मैदान में कूदने वालों को उनके हाल छोड़ा जा सकता है। पार्टी की ओर से वरिष्ठ नेता मुकेश रावल लगातार टोह ले रहे हैं और उन्हें भरोसा भी है कि इस बार बाजी कांग्रेस की होगी। पार्टी के तेज तर्रार नारायण सिंह बोहरा पिछले चुनाव के अनुभव के साथ पूरी तैयारी पर हैं। वह कहते हैं कि इस बार कोई मौका नहीं छोड़ेंगे। आरक्षण की स्थिति में मनोज टम्टा को दमदार प्रत्याशी के रूप में उतारा जा सकता है। गंगोली की रंगोली में अभी कितने और रंगने वाले हैं धीरे-धीरे खुलकर पता चल जायेगा। अभी तो कुर्सी की इच्छा रखने वाले नेताओं और मौका पाकर आजमाइश करने वाले इच्छाधारी नेताओं की चर्चा हो रही है।

सावधान! डसने की प्रेम कहानी

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। अपराधों का गढ़ बन चुके महानगर में बीते दिनों माही नामक महिला ने अपने प्रेमी को सांप से डसवाकर मार डाला। मामले में वह अपने दूसरे प्रेमी संग पकड़ी गई। इस प्रकार की घटनाएं होना अब आश्चर्य की बात नहीं रही। इसलिये घर-परिवार-समाज को सुरक्षित करने की दिशा में जाग जाना चाहिये। ये घटना बड़ी चेतावनी है कि अपराध की ओर बढ़ रहे शातिर अपने साथ कई लोगों को बर्बाद कर सकते हैं। इसलिए इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

हल्द्वानी में हुई साँप से प्रेमी को डसवाने के लिये माही नामक महिला ने कितने छल-प्रपंच रचे और कितने लोगों के साथ सम्बन्ध बनाए, पूरी घटना को छानकर निचोड़कर मीडिया अभी तक प्रस्तुत कर रहा है। इस प्रकार के समाचारों को खूब चटकारे लेकर सुना और पढ़ा भी जा रहा है। जबकि इससे भी ज्यादा जरूरत इस बात की है कि ऐसी घटनाएं कहीं भी कभी भी न हों, इसके लिये समाज को तैयार करना। अपने आसपास की गतिविधियों पर नज़र रखना जरूरी है

Hotel
Bala Paradise
Tiksain,
Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

होटल माँ नन्दादेवी
एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल
एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hayat
Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia
Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777,
7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन
वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA
LODGE
Family Guest House- Sarmoly,
Munsiyari
A Home Away From Home &
Home Stay
Phone: (05961) 222287

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय स्थापना के ४६ वें वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं-

इं.रणजीत सिंह रावत

अधीक्षण अभियन्ता लोनिवि

देहरादून

कम खर्च में सोलर प्लांट छत पर लगाएं

देहरादून। केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर पावर प्लांट योजना की सब्सिडी दोगुनी कर दी है। अब एक किलोवाट पर 17 हजार के बजाय 35 हजार रुपये की सब्सिडी मिलेगी। केन्द्र के निर्देशों के तहत सचिव ऊर्जा आर.मीनाक्षी सुन्दरम ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

बलियानाला ट्रीटमेंट को १७७ करोड़ मंजूर

नैनीताल। बलियानाला पहाड़ी के ट्रीटमेंट के लिये शासन से 177 करोड़ रुपये की सैद्धान्तिक मंजूरी मिली है। इस ट्रीटमेंट में 172 करोड़ खर्च होंगे जबकि 5 करोड़ रुपये से पर्यटन विकास सम्बन्धी कार्य किये जायेंगे। सिंचाई विभाग ने प्रथम चरण में टेंडर प्रक्रिया शुरु कर दी है।

सुंई-बिशुंग वायुरथ मेला २७ अगस्त को

लोहाघाट। 5 गाँव सुंई और 20 गाँव बिशुंग के परस्पर सहयोग से होने वाला वायुरथ मेला 27 अगस्त से शुरु होगा। रक्षाबन्धन के दिन मुख्य मेला होगा। पूरे आयोजन को लेकर संरक्षक सचिन जोशी की अध्यक्षता में बैठक समपन्न हुई। बैठक में तय किया गया कि मेले में विभिन्न प्रतियोगिताएं व सांस्कृतिक संध्या भी होगी।

पुरानी पेंशन की मांग

शासन द्वारा यह संकेत करने के बाद की 2005 से पहले नियुक्त कर्मियों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा, मांग अभी जारी है। चूंकि इस बात से संसय हो रहा है कि 2005 से पहले लग चुके उन कर्मियों का क्या होगा जिनका विनियमितीकरण हुआ है। सीधे चयनित के अलावा क्या सभी को पेंशन लाभ है?

सप्ताह के पर्व

श्रावण कृष्ण पक्ष

1 अगस्त- पूर्णिमा
4 अगस्त- गणेश चतुर्थी
11 अगस्त- एकादशी
15 अगस्त- स्वतंत्रता दिवस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)